दैनिक
न्याय साक्षी
अधिकार से न्याय तक

आवश्यक सूचना

आप सभी को सूचित करते हर्ष हो रहा है, कि न्यायसाक्षी अधिकार से न्याय तक का सर्वे का कार्य तेजी से चल रहा है, जल्द ही सर्वे की टीम आपके घर विजिट करेगी, कृपया अपनी प्रति सुरक्षित कराएं।

RNI NO - CHHHIN/2018/76480 || Postal Registration No-055/Raigarh DN CG || रायगढ़, बुधवार 25 मार्च 2020 || पृष्ठ-4, मूल्य 3 रूपए || वर्ष-02, अंक- 175

महत्वपूर्ण एवं खास

सैस निधि का उपयोग मजदूरों के कल्याण के लिए हो:गंगवार

नईदिल्ली (आरएनएस)। कोविड -19 फैलने की पृष्ठभूमि में, सरकार द्वारा श्रमिकों को राहत देने के लिए अनेक उपाय किए जा रहे हैं। असंगठित निर्माण मजदूर जिनकी आजीविका उनकी दिहाड़ी है, उनकी सहायता के लिए, केन्द्रीय श्रम और रोजगार मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) संतोष कुमार गंगवार ने सभी मुख्यमंत्रियों / सभी राज्यों / संघ शासित प्रदेशों के राज्यपालों के लिए आज एक परामर्श जारी किया है। भवन निर्माण और अन्य निर्माण कार्य कानून, 1996 की धारा 60 के तहत सभी राज्य सरकारों / संघ शासित प्रदेशों को सलाह दी गई है कि वे बीओसीडब्ल्यू सैस कानून के अंतर्गत श्रम कल्याण बोर्ड द्वारा एकत्र सैस निधि से डीबीटीमोड के जरिए निर्माण मजदूरों के खाते में धनराशि हस्तांतरित करें। सैस निधि के रूप में करीब 52000 करोड़ रुपये उपलब्ध है और लगभग 3.5 करोड़ निर्माण श्रमिक इन निर्माण कल्याण बोर्डों के साथ पंजीकृत हैं।

इग्नू ने टीईई परीक्षा के लिए ऑनलाइन फॉर्म जमा कराने की तिथि 30 अप्रैल तक बढ़ाई

नईदिल्ली (आरएनएस)। कोरोना वायरस के प्रसार और देश भर में लॉक डाउन को ध्यान में रखते हुए इंदिरा गांधी नेशनल ओपन यूनिवर्सिटी (इग्नू) ने जून 2020 टर्म-एंड परीक्षा के लिए फॉर्म जमा कराने की अंतिम तिथि बिना किसी प्रकार के विलम्ब शुल्क के 30 अप्रैल 2020 तक बढ़ा दी है। शिक्षार्थी जून टीईई परीक्षा के फॉर्म इग्नू की आधिकारिक वेबसाइट पर जमा करा सकते हैं। इससे पहले विश्वविद्यायल ने नोवेल कोरोना कोविड-19 के लिए ऐहतियाती उपाय के तौर पर देश भर में अपने समस्त क्षेत्रीय केंद्रों/ शिक्षार्थी सहायता केंद्रों (एलएससी) में शिक्षार्थी सहायता सेवा संबंधी गतिविधियों के 31 मार्च तक स्थगित हो जाने के पश्चात असाइनमेंट जमा कराने की अंतिम तिथि 30 अप्रैल तक बढ़ा दी थी।

चिकित्सा सुविधाओं के लिए राजकोषीय संसाधनों का उपयोग हो

» केंद्र ने राज्य सरकारों को दिया निर्देश

नईदिल्ली (आरएनएस)। केंद्र सरकार ने सभी राज्य सरकारों से कहा है कि वे कोविड-19 के कारण उत्पन्न चुनौती से निपटने के लिए अतिरिक्त चिकित्सा सुविधाओं जैसे अस्पताल, क्लिनिकल लैब, आइसोलेशन वार्ड,मौजूदा सुविधाओं के विस्तार और उन्नयन के लिए राजकोषीय संसाधनों का उपयोग करें । रोगियों के उपचार के लिए इन चिकित्सा सुविधाओं को वेंटिलेटर, व्यक्तिगत सुरक्षा उपकरण (पीपीई), मास्क और दवाओं से लैस किए जाने की आवश्यकता है।

एमएफ हुसैन को लेकर प्रियंका मुसिबत में

» राणा कपूर को पेंटिंग बेचने के मामले की ईडी करेगी जांच

नईदिल्ली (आरएनएस)। यस बैंक के सह संस्थापक राणा कपूर को एमएफ हुसैन की बनाई हुई पेंटिंग बेचने के मामले में प्रियंका गांधी के खिलाफ कार्रवाई हो सकती है। मामले की जांच कर रही प्रवर्तन निदेशालय के एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि यह मामला आपराधिक कार्रवाई का है और इसकी जांच की जाएगी। सूत्रों के अनुसार, इस मामले में प्रियंका गांधी से पूछताछ भी की जा सकती है। बता दें कि राणा कपूर फिलहाल ईडी की हिरासत में हैं। उनसे यस बैंक घोटाले से जुड़े मामलों में पूछताछ की जा रही है। बता दें कि यह मामला प्रकाश में आते ही भाजपा और कांग्रेस के नेताओं के बीच जमकर राजनीति भी हुई थी। भाजपा नेता और आईटी सेल के मुखिया अमित मालवीय ने कांग्रेस पर जमकर आरोप लगाए थे जिसका पलटवार रणदीप सिंह सुरजेवाला ने किया था।

कोरोना की चुनौतीः हालात संभलने पर भी जारी रहेगा कर्फ्यू-लॉकडाउन का दौर

» फिलहाल विदेश से आए14 लाख लोगों की स्थिति पर नजर » संवदेनशील इलाकों के लोगों को 31 मार्च के बाद भी रखना होगा धैर्य

नई दिल्ली (आरएनएस)। सोमवार के मुकाबले मंगलवार को लोगों में धैर्य बढ़ने और लोगों के अनुशासित होने से केंद्र सरकार ने राहत की सांस ली है। जहां तक कोरोना के रूप में आई महामारी की चुनौती का सामना करने की बात है तो फिलहाल लोगों को लंबे समय तक धैर्य बनाए रखना होगा। हालात संभलने या बिगडने, दोनों ही स्थितियों में पूरे देश में 31 मार्च के बाद भी लॉकडाउन-कर्फ्यू का दौर जारी रहेगा।

खासकर संवेदनशील इलाकों के लोगों को फिलहाल लंबे समय तक धैर्य की परीक्षा देनी होगी। दरअसल

ज्यादातर देशों में कोहराम मचा चुकी इस महामारी के मामले में दुनिया की निगाहें अब भारत पर है। विश्व स्वास्थ्य संगठन सहित दुनिया भर के विशेषज्ञों का मानना है कि अगर भारत ने इस पर नियंत्रण पाने में सफलता हासिल की तो इस महामारी का प्रकोप धीरे धीरे कम हो जाएगा।

इसके उलट स्थिति में हालात संभालने मुश्किल हो जाएगे। यही कारण है कि केंद्र सरकार किसी भी सूरत में इस महामारी को तीसरे दौर में पहुंचने से रोकने के लिए युद्धस्तर पर माथापच्ची कर रही है। गौरतलब है कि इस महामारी के तीसरे चरण में पहुंचने पर दुनिया के कई विकसित देशों ने हाथ खड़े कर लिए हैं। ऐसे में समझा जा सकता है कि अगर भारत जैसे विकासशील देश में यह महामारी तीसरे चरण में पहुंच गई तो स्थिति कितनी विकट हो जाएगी।

फिलहाल विदेश से आए लोगों पर कड़ी नजर

पीएमओ सूत्रों का कहना है कि भारत के लिए राहत की बात सिर्फ इतनी है कि कोरोना वायरस के कम्युनिटी टू कम्युनिटी ट्रांसफर के मामले लगभग नगण्य है। चुनौती इस महामारी के फैलने के बाद विदेश से आए14 लाख अपने ही नागरिक हैं। मुख्य चुनौती इसे ही संभालने की है। केंद्र सरकार बार-बार विदेश से आने वालों के प्रति राज्य सरकारों को आगाह कर रही है। इनका एक डाटाबेस तैयार कर राज्यों को इन पर लगातार निगाह रखने का आग्रह कर रही है। हालात संभालने के लिए ऐसे लोगों को एकांत में रखने की तैयारियों की लगातार समीक्षा हो रही है। क्योंकि यही यह वर्ग है जिससे इस महामारी के तीसरे चरण में पहुंचने का खतरा है।

आगे की योजना

सरकार चाहती है कि लोग लंबे समय तक धैर्य रखने की पूर्व तैयारी कर लें। क्योंकि किसी भी स्थिति में देश के ज्यादातर भूभाग को लॉक डाउन-कर्फ्यू जैसे हालात से छुटकारा नहीं मिलने वाला। अगर 31 मार्च तक हालात काबू में रहे तब भी एहतियात के तौर पर लॉकडाउन की तारीख आगे बढ़ाई जाएगी।

कोरोना के 537 संदिग्धों की हुई शिनाख्त, 3 पॉजिटिव मिले

पटना (आरएनएस)। बिहार में कोरोनावायरस के संदिग्धों की संख्या लगातार बढ़ रही है। इस बीच हालांकि राज्य के शहरी इलाकों में सोमवार से लगाए गए लॉकडाउन को सख्ती से पालन कराने की कोशिश की जा रही है। बिहार में अब तक 537 संदिग्धों की पहचान की गई है, जिसमें कुल 122 संदिग्धों को आइसोलेशन से मुक्त किया गया है। इन्हें 14 दिनों के लिए आइसोलेशन में रखा गया था। इस बीच, तीन लोगों में कोरोना वायरस से संक्रमण होने की पुष्टि हुई है, जिसमें से एक व्यक्ति की मौत हो चुकी है।

बिहार के स्वास्थ्य विभाग के एक अधिकारी ने मंगलवार को बताया कि 15 जनवरी से सोमवार शाम तक बिहार में कोरोना वायरस से ग्रसित देशों से लौटे 537 यात्रियों को सर्विलांस (निगरानी) में रखा गया है। इनमें से 122 यात्रियों ने 14 दिनों की सर्विलांस की अवधि पूरी कर ली है। उन्होंने बताया कि इस दौरान पटना और गया हवाईअड्डों पर आने वाले लोगों थर्मल स्क्रीनिंग कराई गई। इन दोनों हवाईअड्डों पर 20 हजार से ज्यादा यात्रियों की स्क्रीनिंग की जा चुकी है।

उन्होंने बताया कि अबतक 185 संदिग्ध लोगों से लिए गए नमूनों की जांच कराई गई है, जिसमें से तीन लोगों में कोरोनावायरस के सकारात्मक लक्षण पाए गए, जबकि 127 लोगों में यह लक्षण नहीं पाया गया है। शेष भेजे गए नमूनों की जांच रिपोर्ट अबतक नहीं आई है। रविवार को बिहार में कोरोनावायरस से संक्रमित एक व्यक्ति की मौत हो गई है।

उन्होंने कहा कि मुख्य सचिव की अध्यक्षता में राज्य स्तर पर एक राज्य समन्वय समिति का गठन किया गया है, वहीं जिलों में भी जिलाधिकारी की अध्यक्षता जिला समन्वय समिति का गठन किया गया है।

आवश्यक वस्तुओं की आपूर्ति के लिए चौबीसों घंटे कार्यरत है भारतीय रेलवे

नईदिल्ली (आरएनएस)। कोरोना वायरस की महामारी को फैलने से रोकने के लिए भारतीय रेलवे ने 31 मार्च तक देश भर में यात्री ट्रेन सेवाओं का परिचालन बंद कर दिया है।

वर्तमान में भारतीय रेलवे देश भर में केवल मालगाड़ियों का ही परिचालन कर रही है। यही नहीं, भारतीय रेलवे अपनी निर्बाध माल ढुलाई सेवाओं के जरिए आवश्यक वस्तुओं की उपलब्धता सुनिश्चित करने के लिए हरसंभव प्रयास कर रही है। अनेक राज्यों में 'लॉकडाउन' के दौरान विभिन्न गुड-शेड, स्टेशनों और नियंत्रण कार्यालयों में तैनात भारतीय रेलवे के कर्मचारी चौबीसों घंटे अपनी सेवाएं देकर यह सुनिश्चित कर रहे हैं कि पूरे देश में कहीं भी आवश्यक वस्तुओं की आपूर्ति प्रभावित न हो।

खाद्यान्न, नमक, खाद्य तेल, चीनी, दूध, फल-सब्जियों, प्याज, कोयला और पेट्रोलियम उत्पादों जैसी आवश्यक वस्तुओं के लिए 23 मार्च 2020 को कुल 474 रेक लोड किए गए थे। उस दौरान भारतीय रेलवे द्वारा कुल मिलाकर 891 रेक लोड किए गए, जिनमें अन्य महत्वपूर्ण वस्तुएं भी शामिल हैं, जैसे कि लौह अयस्क के 121 रेक, स्टील के 48 रेक, सीमेंट के 25 रेक, उर्वरक के 28 रेक,

कंटेनर के 106 रेक, इत्यादि।

राज्य सरकारों के साथ उचित तालमेल बनाए रखा जा रहा है, ताकि कोविड-19 के मद्देनजर लगाई गई विभिन्न पाबंदियों के कारण आवश्यक वस्तुओं के रेकों का संचालन बिना किसी देरी के सुविधाजनक ढंग से हो सके। भारतीय रेलवे ने माल एवं पार्सल के लिए विलंब-शुल्क और गोदी-शुल्क की दरों को 31.03.2020 तक घटाकर निर्दिष्ट दरों का आधा कर दिया है। माल/कंटेनर यातायात से संबंधित रेट पॉलिसियों की वैधता को भी एक माह यानी 30.04.2020 तक बढ़ा दिया गया है। खाली कंटेनरों/खाली फ्लैट वैगनों की आवाजाही के लिए 24.03.2020 से 30.04.2020 तक कोई ढुलाई शुल्क नहीं लगाया जाएगा। वैगनों की लोडिंग/अनलोडिंग के लिए निःशुल्क समय. और रेलवे परिसरों से खेप को हटाने के लिए निःशुल्क समय को बढ़ाकर 31.03.2020 तक निर्दिष्ट निःशुल्क समय का दोगुना कर दिया गया है।

कोरोना संक्रमित मरीजों के संपर्क में आए लोगों का पता लगाने पर विशेष जोर

डॉ. हर्षवर्धन ने एनसीडीसी के नियंत्रण कक्ष, लैब और परीक्षण इकाइयों का मुआयना किया

नईदिल्ली (आरएनएस)। केंद्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्री डॉ. हर्षवर्धन ने मंगलवार को नई दिल्ली स्थित राष्ट्रीय रोग नियंत्रण केंद्र (एनसीडीसी) के नियंत्रण कक्ष एवं परीक्षण प्रयोगशालाओं (टेस्टिंग लैबोरेटरी) का मुआयना किया।

निदेशक (एनसीडीसी) डॉ. एस के सिंह तथा वरिष्ठ अधिकारियों के साथ महामारी की वर्तमान स्थिति की समीक्षा की। यही नहीं, उन्होंने वीडियो कॉन्फ्रेंस के माध्यम से एनएचएम के एमडी और राज्यों/केंद्र शासित प्रदेशों के वरिष्ठ निगरानी अधिकारियों के साथ विचार-विमर्श भी किया।

उन्होंने कहा कि पूरे देश में बीमारी के बढ़ते प्रकोप का पता लगाने में एनसीडीसी मुख्य भूमिका निभा रहा है जिसके तहत महामारी विज्ञान और नैदानिक संबंधी उपकरणों को इस्तेमाल में लाया जा रहा है। उन्होंने सार्वजनिक स्वास्थ्य की निगरानी एवं ठोस कदम उठाने की व्यवस्था, तकनीकी मार्गदर्शन और प्रयोगशाला संबंधी सहायता के साथ-साथ एनसीडीसी द्वारा 'कोविड-19' के लिए शुरू की गई 24×7 हेल्पलाइन के माध्यम से जनता की चिंताओं को दूर करने की सराहना की। उन्होंने नियंत्रण कक्ष का मुआयना किया और इस दिशा में बड़ी तेजी से ठोस कदम उठाने वाले कर्मवीरों से बातचीत की एवं उन्हें प्रोत्साहित किया। एनसीडीसी के नियंत्रण कक्ष स्थित कॉल सेंटर के कर्मचारियों और परीक्षण एवं अनुसंधान में बड़ी तन्मयता से जुटे वैज्ञानिकों के अथक प्रयासों एवं महत्वपूर्ण सूचनाएं देकर राष्ट्र के लिए संकटमोचक सेवा प्रदान कर रहे हैं।

राज्यसभा चुनाव की नई तारीखों की बाद में होगी घोषणा

» कोरोना का असर

नईदिल्ली (आरएनएस)। कोरोना वायरस के खतरे के कारण चुनाव आयोग ने राज्यसभा चुनाव स्थगित कर दिया है। सात राज्यों की 18 राज्यसभा सीटों पर 26 मार्च को मतदान होना था। माना जा रहा है कि अब देश में कोरोना वायरस की चुनौती खत्म होने के बाद ही चुनाव की नई तारीख जारी होगी।

बता दें कि 17 राज्यों की कुल 55 राज्यसभा सीटें अप्रैल में खाली हो रहीं थीं। इन सीटों पर 26 मार्च को चुनाव के लिए आयोग ने अधिसूचना जारी की थी। हरियाणा, हिमाचल प्रदेश सहित कई राज्यों की अधिकांश सीटों पर निर्विरोध निर्वाचन हुए। सिर्फ 18 राज्यसभा सीटों पर मतदान के जरिए चुनाव होना था। मगर कोरोना वायरस के कारण सोशल डिस्टैंसिंग यानी सामाजिक दूरी को बेहद जरूरी मानते हुए आयोग ने चुनाव टालने का फैसला किया। राज्यसभा के चुनाव अब कब किए जाएंगे ये चुनाव आयोग आगे के हालात देखने के बाद ही नई तारीखों की घोषणा करेगा।

नायडू ने दी देशवासियों को उगादि, गुड़ी पड़वा, नवरेह तथा चेटीचंड की शुभ कामनाएं

नईदिल्ली (आरएनएस)। उपराष्ट्रपति, एम वेंकैया नायडू ने देशवासियों को उगादि, गुड़ी पड़वा, चैत्र शुक्लादि, साजीबू चेराओबा, नवरेह और चेतीतंड की पूर्व संध्या पर शुभकामनाएं दीं, जो कि नव वर्ष की शुरूआत का प्रतीक रूप में भारत के विभिन्न हिस्सों में मनाया जाता है। इस अवसर पर उन्होंने लोगों से जीवन में स्वच्छ तरीका अपनाने और कोरोनावायरस से मुकाबला करने में सरकार का सहयोग देने का आह्वान किया। नायडू ने भारत देश की योगदान और देखभाल वाले प्राचीन मूल्यों का जिक्र करते हुए आशा व्यक्त किया कि सभी लोगों द्वारा पीड़ित और कठिनाई में जी रहे लोगों के कष्ट में कमी लाने के लिए जो कुछ भी किया जा सकता है उसे वो करेंगे, जिनकी उन्हें आवश्यकता है।

» पीएम ने प्रिंट मीडिया के पत्रकारों और साझेदारों के साथ बातचीत की

कोविड-19 की चुनौतियों से निपटने में मीडिया का योगदान सराहनीय:मोदी

नईदिल्ली (आरएनएस)। प्रधान मंत्री नरेंद्र मोदी ने मंगलवार को वीडियो कॉन्फ्रेंस के माध्यम से देश भर के प्रिंट मीडिया के बीस से अधिक पत्रकारों और हितधारकों के साथ बातचीत की। पत्रकार चौदह स्थानों से बातचीत में शामिल हुए और ग्यारह अलग-अलग भाषाओं में बातचीत करते हुए राष्ट्रीय और क्षेत्रीय मीडिया दोनों से जुड़े।

उन्होंने कहा कि मीडिया ने देश के प्रत्येक सुदूरवर्ती इलाकों तक सूचना का प्रसार करने में प्रशंसा योग्य भूमिका निभाई है। उन्होंने कहा कि मीडिया का नेटवर्क अखिल भारतीय है और यह शहरों और गांवों में फैला हुआ है। यह मीडिया को इस चुनौती से लड़ने और सूक्ष्म स्तर पर इसके बारे में सही जानकारी फैलाने के लिए अधिक महत्वपूर्ण बनाता है।

समाचार पत्र जबरदस्त विश्वसनीयता रखते हैं और किसी क्षेत्र का स्थानीय पृष्ठ लोगों द्वारा विस्तृत रूप से पढ़ा जाता है। इसलिए यह आवश्यक है कि इस पृष्ठ में प्रकाशित लेखों के माध्यम

से कोरोनावायरस के बारे में जागरूकता फैलाई जाए। यह आवश्यक है कि लोगों को इस बात की जानकारी दी जाए कि परीक्षण केंद्र कहाँ हैं, परीक्षण करवाने के लिए किससे संपर्क करना चाहिए और घर के आइसोलेशन प्रोटोकॉल का पालन करना चाहिए। मोदी ने कहा कि यह जानकारी समाचार पत्रों और वेब पोर्टलों में साझा की जानी चाहिए। लॉकडाउन के दौरान आवश्यक वस्तुओं की उपलब्धता के स्थान जैसी जानकारी भी क्षेत्रीय पृष्ठों में साझा की जा सकती है।

मीडिया से राष्ट्रीय और क्षेत्रीय, दोनों स्तरों पर सरकार और जनता के बीच कड़ी का काम करने तथा निरंतर फीडबैक उपलब्ध कराने को कहा। उन्होंने सामाजिक दूरी (सोशल डिस्टेंसिंग) के महत्व पर बल देते हुए मीडिया से इसके महत्व के बारे में जागरूकता फैलाने, राज्यों द्वारा लिए गए लॉक डाउन के फैसले से जनता को अवगत कराने और साथ ही अंतर्राष्ट्रीय आंकड़ों के समावेशन तथा समाचार पत्रों में अन्य देशों की केस स्टडीज के माध्यम से वायरस के प्रसार के प्रभाव को हाइलाइट करने को कहा। जनता में जुझारुपन की भावना को जगाए रखने को आवश्यक करार देते हुए प्रधानमंत्री ने इस बात पर बल दिया कि निराशावाद, नकारात्मकता और अफवाहें फैलाने से निपटना महत्वपूर्ण है।